



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 233]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 19, 2010/श्रावण 28, 1932

No. 233]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 19, 2010/SHRAVANA 28, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2010

अंतिम जांच परिणाम

(निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. तथा चीनी ताइपेई के मूल के या वहां से निर्यातित नैरो ओवन फैब्रिक्स के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच ।

सं. 15/9/2009-डीजीएडी.—यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए दिनांक 9 जून, 2004 की अधिसूचना सं 14/24/2003-डीजीएडी के तहत मूल जांच शुरू की थी । प्राधिकारी ने चीन जन.गण. और चीनी ताइपेई (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित नैरो ओवन फैब्रिक्स (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर दिनांक 10 जनवरी, 2005 की अधिसूचना सं 14/24/2003-डीजीएडी के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए अपने जांच परिणाम अधिसूचित किए थे और ऐसा निश्चयात्मक शुल्क भारत सरकार द्वारा दिनांक 14 फरवरी, 2005 की सी.शु. अधिसूचना सं. 08/2005 के तहत लगाया गया था । प्राधिकारी ने 7 जून, 2005 की अधिसूचना सं. 14/24/2003-डी जी ए डी के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए अपने अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे और भारत सरकार द्वारा ऐसा निश्चयात्मक शुल्क 25 जुलाई, 2005 की सी.शु. अधिसूचना सं. 76/2005 के तहत लगाया गया था ।

ख. पृष्ठभूमि

2. और यतः इंडियन मेटल एंड फैरो एलाइज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, रिट याचिका (सिविल) 2006 की सं. 16893 के मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार प्राधिकारी ने लागू शुल्क को सतत रूप से जारी रखने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की जांच करने के लिए कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करते हुए 20 अगस्त, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना सं. 15/9/2009-डीजीएडी जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

ग. प्रक्रिया

3. इस कार्रवाई में निम्नलिखित प्रक्रियाएं अपनाई गई हैं:
- नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
 - वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 की है। तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल है।
 - नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देशों के निम्नलिखित डात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावलियों के साथ जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी गई थी:

ट्राई होक सं. 575 हो कांग रोड, हो मीन टाउन, चेंगहुआ शीन ताइवान	ताइवान स्पेशल टेप कंपनी सं. 58. 58 कुंग हिज प्रथम रोड, शेनकांग जियांग, चांगहुआ शीन ताइवान, आर ओ सी
लवटैक्स इंड कार्पो, 7एफ, ताइवान	ताइवान जोका कार्प 12एफ-8, 16, सैक्.1, चांग एन रोड, ताइपेई 104 ताइवान

चीको टेक्सटाइल इंड कं. लि. 5/एफ सं. 25, जूचियांग स्ट्रीट, टू चेंगशिटी, ताइपेई शीन, ताइवान	नाम लियांग इंट. कं. लि. 10, लेन 41, चाउवाई स्ट्रीट एन्चाउलाई, युंगकांग सिटी ताइनानशीन, ताइवान
ताइवान जियांगशिन विविंग कं. लि. डांगहाइयांग, इंडस्ट्रियल एरिया, शेनहू जिनजियांग, फ्यूजियांग, चीन	

संबद्ध देशों के उपर्युक्त निर्यातकों/उत्पादकों अथवा अन्य उत्पादकों/निर्यातकों में से किसी ने भी उपर्युक्त अधिसूचना के जवाब में प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया है ।

viii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना तथा आयातक प्रश्नावली भेजी गई थी ।

अम्बादूर क्लोदिंग लि. 86/ई, इंड इस्टेट, अम्बादूर मद्रास, तमिलनाडु.	आटोलिव आई एफ बी इंडिया लि. 16, विश्वेसरैया इंड इस्टेट, प्रथम मेन रोड, व्हाइट फील्ड रोड के सामने मद्रास, तमिलनाडु
हिडुच ओवरसीज लि. नई सं. 6, कुमारस्वामी नगर विल्लीवक्कम, चेन्नई, तमिलनाडु.	जय एक्सपो 5, ओ पी रमन स्ट्रीट, अवाडी, चेन्नई, तमिलनाडु
एस एम एपैरल्स, प्रा. लि. डी/91- इंड इस्टेट मराई मलाई नगर, चेन्नई, तमिलनाडु	सन एंड स्काई एक्सपोर्ट्स प्रा.लि. फैक्ट्री नं. 104/2 ए, तवारेकरे, मेन रोड, मद्रास, तमिलनाडु
आसर ग्लोबल ए-212, कर्मपुरा, नई दिल्ली	जवाहरलाल फूल चंद 603 सदर बाजार, दिल्ली
भावन गारमेंट्स लि. सं.122.सी एंड डी .पूनामल्लीथाई रोड, वेलप्पन चवाडी चेन्नई, तमिलनाडु,	शिरडी एक्सपोर्ट्स बी-128, मायापुर इंड एरिया, फसज 1, नई दिल्ली- 110064.
कांटीनेंटल पैन्स बोमासन्द्रा, इड एरिया,	एस बार एस सूट्स 360/64 कालबुदेवी रोड,

प्लाट नं.251, अनेकल तालुक, बंगलौर, कर्नाटक	रामबाडी के सामने, पड़ेस्ट बेसमेंट बम्बई -400002
जिरिया इंटरप्राइजेज प्रा.लि. 6201/2 ब्लॉक-1, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली.	इंटरनेशनल टेक्सटाइल्स 224/1, ईस्ट ऑफ कैलास, नई दिल्ली 110 065
बालू एक्सपो न्यू नं.. 285 (ओल्ड नं.172) सुबाधना बिल्डिंग एमटीएच, रोड अवाडी, चेन्नई, तमिलनाडु.	डी जी इंटरप्राइजेज 204, तीसरा तल, विकास सूर्य प्लाजा, कम्युनिटी सेंटर, रोड नं. 44, पीतमपुरा, नई दिल्ली
पैरामाउंट्स प्रा.लि. नं.1, डी आर आर एवेन्यू, अआडको, नगरकट्टपक्कम, चेन्नई	पारमा इंटरनेशनल 9, प्रिंटिंग प्रेस एरिया, वजीरपुर, (पंजाब केसरी के पीछे) दिल्ली
फैशन क्रिएशन्स आर-25, नाथ शूपिंग सेंटर, अरुणा पार्क, शकरपुर, नई दिल्ली	शिव शक्ति इम्पैक्स, पुल प्रहादपुर, नई दिल्ली- 110044.
कंट्री काफ्ट 12ए/27, डब्ल्यू ई ए, करोलबाग, नई दिल्ली 10005.	गगन इंटरनेशनल एसोसिएट्स ई-73, नारायण विहार, नई दिल्ली
शिखर इंटरप्राइजेज, ए-44, नौवीं क्रॉस स्ट्रीट, वृंदावन, पांडिचेरी	नियाज अपैरल्स 73 बालाजी नगर, पाडी, चेन्नई तमिलनाडु
दीवान चंद एंड कंपनी. प्लाट नं. 291, फेज V, IV उद्योग नगर, गुडगांव	राजधानी सेल्स कार्पोरेशन, झंडेवालान रोड, नबी करीम, नई दिल्ली

किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया है ।

ix) प्राधिकारी ने क्षति अवधि के लिए डी जी सी आई एंड एस से सौदेवार आंकड़े मांगे थे। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया था कि समस्त आयात विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्दिष्ट वर्गीकरण में शामिल नहीं किए गए हैं। अतः प्राधिकारी ने अन्य सीमाशुल्क वर्गीकरण के संबंध में भी डी जी सी आई एंड एस से संगत सूचना मांगी। विचाराधीन उत्पाद के अलग-अलग सीमाशुल्क वर्गीकरण में हुए आयात को स्वीकार किया गया है।

x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा।

xi) मै. स्काई इंडस्ट्री लि., मुंबई ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर दिया और प्राधिकारी से निर्णायक समीक्षा जांच करने और पाटनरोधी शुल्क क अवधि बढ़ाने की सिफारिश करने का अनुरोध किया। कंपनी ने शुल्क की नियत मात्रा के संबंध में उसके संशोधन के बाद पाटनरोधी शुल्क क मात्रा को बढ़ाने का भी अनुरोध किया। चूंकि मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. ने पाटनरोधी शुल्क क अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया इसलिए प्राधिकारी ने इस कंपनी को वर्तमान मामले में "याचिकाकर्ता" माना है।

xii) मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि., मुंबई ने स्वयं के बारे में घरेलू उद्योग होने का दावा किया और क्षति संबंधी आंकड़े प्रस्तुत किए। प्राधिकारी ने हुई क्षति की जांच करने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया ताकि भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत, उर्रे बनाने और बनाने और बेचने की लागत निकाली जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xiii) नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 11 मई, 2010 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए समस्त हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए थे, उन्हें मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में विचार किया गया है।

xiv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए समस्त विचारों और अनुरोधों पर उस सीमा तक विचार किया है जिस सीमा तक वे वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक है।

xv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था। प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर इस जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है।

xvi) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और उसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां कहीं आवश्यक हुआ है गोपनीय

आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

xvii) जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा उसने जांच में पर्याप्त बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह जांच परिणाम दर्ज किया है ।

xviii) *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

घ. प्रकटन विवरण के उत्तर में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

4. प्रकटन विवरण जारी होने के बाद घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं । यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में अपने अधिकांश पूर्ववर्ती अनुरोध दोहराए हैं । इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि यह विनिर्दिष्ट किया जाए कि उत्पाद की सूचना माप की एक ही इकाई और एक ही सीमाशुल्क वर्गीकरण में प्रदान किया जाए ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि कई सीमाशुल्क वर्गीकरणों तथा माप की इकाइयों का उपयोग करके सीमाशुल्क का अपवंचन नहीं होता है । उन्होंने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वह उद्गम का अर्थ विनिर्दिष्ट करे ताकि वस्तु की सूचना ऐसे संबद्ध देशों के बारे में न दी जाए जो उक्त वस्तु का उत्पादन ही नहीं कर रहे हैं । उन्होंने प्राधिकारी से केवल अम.डॉ. मुद्रा में ही राशि निर्धारित कर शुल्क लगाने का अनुरोध किया है । अंत में उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि शुल्क की अवधि आगे और 5 वर्ष तक बढ़ाई जाए । उन्होंने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वह उद्गम का अर्थ विनिर्दिष्ट करे ताकि वस्तु की सूचना ऐसे संबद्ध देशों के बारे में न दी जाए जो उक्त वस्तु का उत्पादन ही नहीं कर रहे हैं । घरेलू उद्योग की टिप्पणियों की प्रति "ए" पर अवलोकनार्थ प्रस्तुत है ।
5. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के अनुरोधों पर उचित स्थानों पर पहले ही विचार किया जा चुका है । पाटनरोधी शुल्क को निर्धारित आधार पर अम.डॉ. में लगाए जाने का प्रस्ताव है ।

ड. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ड.1. मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि., मुंबई के अनुरोध

6. मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि., मुंबई ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- चूंकि वर्तमान समीक्षा जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहता है जैसा कि पूर्ववर्ती जांच में परिभाषित किया गया है।
 - मूल जांच के बीच उत्पाद की विशेषताओं में कोई वास्तविक परिवर्तन और विकास नहीं हुआ है और उत्पाद का उत्पादन तथा बिक्री इस समय विश्वभर में की जा रही है।
 - घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद की समान वस्तु है।
 - निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के मुद्दे की विस्तृत जांच की गई थी।

ड.2. आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

7. किसी भी आयातक ने यह तर्क नहीं दिया है कि भारत में इस समय सुरक्षा सीट बैट्टों में प्रयोग होने वाले नैरो वोवन फैब्रिक्स के खास प्रकार का विनिर्माण नहीं होता है और इसीलिए उसे विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग रखा जाना चाहिए।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

8. मूल जांच और वर्तमान जांच में भी विचाराधीन उत्पाद नैरो वोवन फैब्रिक्स (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है। मूल जांच में उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

"वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद " बंधन टेप में प्रयुक्त पायल वीव वाला नैरो वूवन फैब्रिक, मानव निर्मित फाइबर की निर्मितियां हैं" (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है। बाजारी भाषा में संबद्ध वस्तु को "हुक एंड लूप टेप फास्टनर्स", "वैल्क्रो टेप्स", "फास्निक टेप्स", "फास्नर्स" आदि जैसे विभिन्न समानार्थियों के रूप में जाना जाता है। उत्पाद की भेदकारी विशेषता "पायल वीव" है। संबद्ध वस्तु का वर्णन पील क्षमता, शील क्षमता तथा लाइफ फास्टनेस के रूप में किया जाता है। हुक एंड लूप फास्टनर्स का सामान्यतः निर्माण मानव निर्मित फाइबर (यार्न) नाइलोन (नाइलोन 6 तथा नाइलोन 6.6), पोलिस्टर आदि से किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन खासकर 12 मि.मी. से 125 मि.मी. की अलग-अलग चौड़ाई में किया जाता है। इसके अलावा, जहां बाजार में उत्पाद की बिक्री उत्पाद की लंबाई के संबंध में (मीटर में मापित) की जाती है और उत्पाद के विभिन्न प्रकारों की संबद्ध लागत तथा कीमत में चौड़ाई के अनुसार अंतर होता है इसलिए भार में बदलने पर वह लगभग समान बन जाता है। संबद्ध वस्तु का प्रमुख उपयोग परिधान उद्योग, शल्य चिकित्सा एवं अर्थोपेडिक उपकरणों के विनिर्माण, जूतों एवं फुटवियर के विनिर्माण, असबाब/थैलों के विनिर्माण, खिलौनों, आटोमोबाइल, जीनसाजी तथा विभिन्न अन्य औद्योगिक खंडों में किया जाता

है। नैरो वोवन फैब्रिक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सी.शु. उपशीर्ष 580610 के अंतर्गत वर्गीकृत है। अनंतिम जांच परिणामों के बाद मै. कंट्रीक्राफ्ट, आयातक ने प्राधिकारी से यह कहा था कि वह यह स्पष्ट करें कि क्या जांच केवल हुक एंड लूप टेप के संबंध में ही की गई है जबकि अधिसूचना में समूचे अध्याय का उल्लेख है। प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि पाटनरोधी जांच केवल उपर्युक्त विचाराधीन उत्पाद (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) और जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना, प्रारंभिक जांच परिणामों में उल्लिखित उत्पाद के संबंध में ही की गई है तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण सांकेतिक स्वरूप का है और जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाधकारी नहीं है ..."

9. उपर्युक्त निर्धारण को ध्यान में रखते हुए किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के बारे में कोई तर्क नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी ऊपर विचारित और ऊपर उल्लिखित रूप में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र की पुष्टि करते हैं।
10. संबद्ध देशों में विनिर्मित और भारतीय बाजार में निर्यातित नैरो वोवन फैब्रिक्स तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु में अनिवार्यतः समान उत्पाद विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु का टैरिफ वर्गीकरण एक समान है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। प्राधिकारी एतद्वारा इस बात की पुष्टि करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमों के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु है।
11. जहां तक आयातक द्वारा दिए गए इस तर्क का संबंध है, कि सुरक्षा बेल्टों में प्रयुक्त नैरो वोवन फैब्रिक्स विचाराधीन उत्पाद में शामिल नहीं है, यह स्पष्ट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में सभी प्रकार का नैरो वोवन फैब्रिक शामिल नहीं है। जैसा कि पैरा 5 में उल्लेख किया गया है कि पाइल वीव वाला और बंधन अनुप्रयोगों में प्रयोग होने वाला नैरो वोवन फैब्रिक्स विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आता है।

च. घरेलू उद्योग का आधार और क्षेत्र

च.1. मै. स्काई इंडस्ट्री लि., मुंबई के अनुरोध

12. वर्तमान जांच में मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि., मुंबई ने घरेलू उद्योग के रूप में सूचना प्रदान की है। मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. का उत्पादन भारत में समान वस्तु के घरेलू उत्पादन के 50% से अधिक बनता है और इसलिए स्काई इंडस्ट्रीज पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

च.2. आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

13. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता तथा हितबद्ध पक्षकार ने स्काई इंडस्ट्रीज के घरेलू उद्योग के दावे के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है अथवा कोई अनुरोध नहीं किया है।

च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

14. इस जांच की शुरुआत के समय पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(ख) निम्नानुसार था:-

(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।

तथापि, जांच की शुरुआत के बाद इस नियम में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:

(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के संदर्भ में निकाला जा सकता है।

15. भारत में समान उत्पाद के निम्नलिखित 7 घरेलू उत्पादक हैं :-

- (क) मै. स्काई इंड लि., मुंबई, जिसने जांच शुरुआत के बाद आवेदन दायर किया है।
- (ख) मै. मैजिक फासनर्स प्रा.लि., दिल्ली
- (ग) मै. सिद्धार्थ फिलामेंट प्रा.लि., सूरत
- (घ) मै. गजानंद इलास्टिक्स एंड वक्स, अहमदाबाद
- (ङ) मै. ईशी इंडस्ट्रीज, पालघर
- (च) मै. झांजी टैक्सटाइल्स, जालंधर
- (छ) मै. शिव-हा इंडस्ट्रीज

मै. स्काई इंडस्ट्रीज लि. ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से एक याचिका के साथ जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर दिया था, जिसमें प्राधिकारी से मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा करने और आगे और 5 वर्ष की अवधि के लिए उसे बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। कंपनी ने आगे शुल्क के स्वरूप में परिवर्तन तथा पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को बढ़ाने का अनुरोध किया। मै. मैजिक फासनर्स प्रा.लि., दिल्ली, मै. सिद्धार्थ फिलामेंट प्रा.लि., मै.

गजानंद इलास्टिक्स एंड वक्स, अहमदाबाद, मै. ईशी इंडस्ट्रीज, पालघर तथा मै. शिव-हा इंडस्ट्रीज ने पाटनरोधी शुल्क को आगे और 5 वर्ष की अवधि तक बढ़ाने के अनुरोध का समर्थन किया है। तथापि, इन कंपनियों ने क्षति के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान नहीं की है।

रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी ने सकल भारतीय उत्पादन में मै. स्काई इंडस्ट्रीज के हिस्से का निर्धारण किया है। यह निर्धारित किया जाता है कि स्काई इंडस्ट्रीज का उत्पादन भारत में समान वस्तु के भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है।

कंपनी का नाम	जांच के अवधि के दौरान उत्पादन	उत्पादन में हिस्सा
मै. स्काई इंड लि., मुंबई,	697	70.89
मै. मैजिक फासनर्स प्रा.लि., दिल्ली	****	****
मै. सिद्धार्थ फिलामेंट प्रा.लि., सूरत	****	****
मै. गजानंद इलास्टिक्स एंड वक्स, अहमदाबाद	****	****
मै. ईशी इंडस्ट्रीज, पालघर	****	****
मै. झांजी टेक्सटाइल्स, जालंधर	****	****
मै. शिव-हा इंडस्ट्रीज	****	****

रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना और नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की परिभाषा तथा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि मै. स्काई इंडस्ट्रीज का उत्पादन भारत में समान वस्तु के भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि मै. स्काई इंडस्ट्रीज नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

छ. पाटन का निर्धारण

सामान्य मूल्य

छ.1. घरेलू उद्योग के अनुरोध

16. घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं: -

- क. प्राधिकारी द्वारा पूर्व में की गई जांचों को ध्यान में रखते हुए चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए। अन्य देशों के प्राधिकारियों द्वारा भी यही दृष्टिकोण अपनाया गया है।

- ख. नियमों में 15 शर्तें निर्धारित की गई हैं, जिनमें से प्रत्येक शर्त की पूर्ति किसी इच्छुक निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा करने के लिए करनी होती है और ऐसे किसी दावे की पुष्टि हेतु जरूरी संगत सूचना तथा साक्ष्य प्रस्तुत करना होता है। याचिकाकर्ता ने चीन के बारे में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दावा किया है। याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातक ऐसी सभी 15 शर्तें पूरी नहीं करते हैं तब तक निर्देशित प्राधिकारी के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना अपेक्षित है।
- ग. बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने वाले निर्यातक/उत्पादक पर यह सिद्ध करने का दायित्व होता है कि वह बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन करता है।
- घ. भारत चीन के उत्पादकों के लिए एक उचित प्रतिनिधि देश है। भारत को प्रतिनिधि देश के रूप में विचार किए जाने से न केवल सही एवं पर्याप्त सूचना प्राप्त होगी अपितु इस बात पर विचार करने का कोई तथ्यपरक आधार नहीं है कि भारत उचित प्रतिनिधि देश नहीं होगा। भारत को अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों ने भी एक उचित प्रतिनिधि देश माना है।
- ङ. इस प्रकार, चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) भारत में कीमत, तथा (ख) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ सहित विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है।
- च. संबद्ध देशों से वस्तु का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जा रहा है और इसकी पुष्टि सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के अनुमानों द्वारा होती है। पाटन मार्जिन काफी अधिक है।
- छ. ताइवान के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है और प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरूआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया है और कोई सूचना प्रदान नहीं की है। याचिकाकर्ता ने ताइवान में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत के बारे में सार्वजनिक क्षेत्र से संगत सूचना प्राप्त करने के हर संभव प्रयास किए हैं। परंतु, सार्वजनिक क्षेत्र से संगत विश्वसनीय आंकड़ों के अभाव में याचिकाकर्ता इस संबंध में कोई प्रामाणिक तथा भरोसेमंद सूचना प्राप्त नहीं कर सका। इस बात को देखते हुए याचिकाकर्ता ने परिकल्पित सामान्य मूल्य की नीति पर विचार करते हुए ताइवान में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

छ.2. निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

17. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकार ने निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन के निर्धारण के बारे में कोई टिप्पणी अथवा अनुरोध दायर नहीं किया है।

छ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

18. धारा 9 क(1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

ड.4 चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य

19. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को यह सलाह देते हुए प्रश्नावली भेजी कि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना प्रदान करें। तथापि, चीन के किसी उत्पादक/निर्यातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंध है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत तथा डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा की गई पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातक द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन है।
21. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करते हैं और इसके विपरीत तथ्यों की पुष्टि करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए यह अपेक्षित है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-
- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
 - (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
 - (ग) इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
 - (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।
22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद चीन के किसी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर सहित कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग नहीं की है। चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। प्राधिकारी ने पूर्व में भी चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है बशर्ते प्रतिवादी निर्यातक नियमों में निर्धारित शर्तें पूरी करते हों। चूंकि चीन जन.गण. के किसी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रपत्र में तथा ढंग से सूचना प्रदान नहीं की है इसलिए, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

नियमों के अंतर्गत चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी एक आधार पर किया जा सकता है :

- (क) किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत
- (ख) किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकलित मूल्य
- (ग) भारत सहित अन्य देश के लिए ऐसे किसी तीसरे देश की कीमत
- (घ) उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए समायोजित भारत में वास्तविक रूप से संदत्त या संदेय कीमत

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता किसी बाजार अर्थव्यवस्थावाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य अथवा किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकलित मूल्य उपलब्ध कराने में समर्थ नहीं रहा है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि न तो किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तु की कीमत सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और न ही अन्य देशों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों की कीमत के बारे में सूचना उपलब्ध है। यद्यपि, तीसरे देशों से संबद्ध वस्तु के आयात हुए हैं, तथापि, घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि ये वस्तुतः चीन के उत्पाद का यानांतरण था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों की कीमत तभी स्वीकार की जा सकती है यदि ऐसी कीमतें अनुमानित उत्पादन लागत से अधिक हों। उपर्युक्त परिस्थितियों में और चीन जन.गण. के संबंधित निर्यातकों की ओर से असहयोग को ध्यान में रखते हुए और चूंकि हितबद्ध पक्षकारों ने कोई अन्य सूचना उपलब्ध कराई है, इसलिए प्राधिकारी लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित भारत में संदत्त या संदेय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए बाध्य हुए हैं। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्री, घरेलू उद्योग के खपत कारकों एवं घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार किया है।

ड5. चीनी ताइपेई में सामान्य मूल्य

24. ताइवान के किसी निर्यातक/उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली में यथापेक्षित कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। घरेलू उद्योग ने ताइवान के घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की कीमत दर्शाते हुए ई-मेल पत्र के रूप में साक्ष्य उपलब्ध कराया है। ताइवानी उत्पादक की ओर से किसी सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की घरेलू कीमत के रूप में इस साक्ष्य पर भरोसा किया है और तदनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ सहित ताइवान में उत्पादन की अनुमानित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का अतिरिक्त निर्धारण किया है। यह पाया गया था कि उपर्युक्तानुसार ई-मेल पत्र में उल्लिखित साक्ष्य के अनुसार ऐसा सामान्य मूल्य उसकी घरेलू बिक्री कीमत से अधिक है, अतः प्राधिकारी ने ताइवानी उत्पादकों की ओर से सहयोग के

अभाव में सामान्य मूल्य के पारंपरिक अनुमान के रूप में ई-मेल पत्र में उल्लिखित साक्ष्य स्वरूप घरेलू बिक्री कीमत पर भरोसा किया है।

ज.4. निर्यात कीमत

25. चीन जन.गण. और चीनी ताइपेई के किसी निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है तथा सूचना प्रदान नहीं की है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार (घरेलू उद्योग को छोड़कर) ने ऐसी कोई अन्य सूचना प्रदान नहीं की है जिसका उपयोग निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु किया जा सके। विदेशी उत्पादकों से निर्धारित प्रपत्र में सूचना न मिलने से प्राधिकारी ने भारत में विचाराधीन उत्पाद की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है। भारित औसत आयात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त प्रवेश बिल वार आयात आंकड़ों की विस्तृत जांच के बाद किया गया है। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से सी.शु. वर्गीकरण सं. 5801, 5804, 5805, 5806, 5807, 5808 के अंतर्गत आने वाले आयातों के संबंध में सूचना मांगी और विचाराधीन उत्पाद के आयातों को अभिज्ञात किया। ऐसे अभिज्ञात सौदों में हुए आयातों पर ही विचाराधीन उत्पाद के मूल्य, मात्रा तथा औसत आयात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है। इन सभी आयातों की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। चीनी ताइपेई और चीन जन.गण. के लिए अलग-अलग निर्यात कीमत निर्धारित की गई है।

26. विदेशी उत्पादकों की ओर से प्रश्नावली के किसी उत्तर के अभाव में और सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर निवल कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए निम्नलिखित समायोजन किए गए हैं।

- (क) 60 अम.डॉ. प्रति मी.ट. की दर से समुद्री भाड़ा
- (ख) सी आई एफ के 0.5% की दर से बीमा
- (ग) एफ ओ बी के 0.5% की दर से पत्तन व्यय
- (घ) एफ ओ बी के 0.5% की दर से अंतरदेशीय भाड़ा
- (ङ) एफ ओ बी के 0.05% की दर से बैंक कमीशन

झ. पाटन मार्जिन

27. कारखाना स्तर पर ऊपर स्पष्ट किए गए अनुसार निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निवल निर्यात कीमत के आधार पर सभी निर्यातकों के लिए जांच अवधि के दौरान पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार है:

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	चीनी ताइपेई
सामान्य मूल्य	अम.डॉ./किग्रा.	****	****
निर्यात कीमत	अम.डॉ./किग्रा.	****	****
पाटन मार्जिन	अम.डॉ./किग्रा.	****	****
पाटन मार्जिन	%	40-45	25-27

ट. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

ट.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध:

28. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध संक्षेप में निम्नानुसार हैं:

(क) संबद्ध देशों से आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। आयातों में यह वृद्धि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद हुई है।

(ख) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है। कीमत में यह कटौती घरेलू उद्योग द्वारा पहले से रखी गई कम कीमत के बावजूद हुई है।

(ग) पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद घरेलू उद्योग की कीमतें आयातों की पहुंच कीमत से अत्यंत तुलनीय हैं। इससे स्पष्टतः यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग द्वारा पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद आयातों की पहुंच कीमत के आधार पर अपनी बिक्री कीमत तय की जा रही है।

(घ) आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

(ङ) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत ओ ई एम तथा बाजार पश्चात खंड में काफी अलग-अलग है। बाजार पश्चात खंड में कीमत से आयात कीमत प्रदर्शित होती है जबकि ओ ई एम में कीमत में पाटन का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(च) पाटित आयातों के कारण उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हुआ है।

(छ) लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रतिकूल बना हुआ है। घरेलू उद्योग को बाजार पश्चात बिक्री, निवेश पर नकारात्मक आय एवं नकद प्रवाह के संबंध में भारी वित्तीय घाटा हो रहा है।

(ज) पाटित आयातों की मौजूदगी और बाजार में पर्याप्त मांग के बावजूद घरेलू उद्योग की वृद्धि नहीं हो रही है।

ट.2 निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

29. चीन जन.गण. और चीनी ताइपेई के किसी उत्पादक/निर्यातक ने न तो कोई उत्तर दायर किया है और न ही क्षति एवं कारणात्मक संबंध सहित वर्तमान जांच के किसी पहलू के बारे में कोई तर्क दिया है।

ट.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

30. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।

31. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है।

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मॉलसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

32. प्राधिकारी ने क्षति जांच के बारे में दिए गए तर्कों को नोट किया है और इस मुद्दे का निराकरण उचित स्थानों पर किया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और तथ्यों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की कीमत और मात्रात्मक प्रभाव तथा कीमत एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी की जांच की जा सके। इस मामले में यह नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तु की बिक्री दो अलग-अलग बाजार खंडों अर्थात् ओ पी एम (मूल उपकरण विनिर्माता अथवा थोक बिक्री तथा बाजार पश्चात (जिसे खुदरा स्तर भी कहा जाता है) में की गई है। यह स्मरणीय है कि मूल जांच में भी बाजार के दो खंड मौजूद थे। मूल जांच में की गई कार्रवाई की तर्ज पर क्षति निर्धारण दोनों बाजार खंडों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। खंडवार विश्लेषण किया गया है क्योंकि यह दावा किया गया था कि घरेलू उद्योग को बाजार पश्चात खंड में हो रहे संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण भारी क्षति हुई है। तथापि, दोनों खंडों को एक साथ लेते हुए क्षति के संयुक्त प्रभाव अथवा प्रभाव का अंतिम जांच परिणाम निर्धारित किया गया था जैसा कि मूल जांच में विचार किया

गया था । इस प्रयोजनार्थ क्षति मार्जिन एवं कीमत कटौती का निर्धारण दोनों बाजार खंडों के लिए भारित औसत क्षति रहित कीमत तथा भारित औसत बिक्री कीमत को ध्यान में रखने के बाद किया गया है ।

मांग का निर्धारण

33. प्राधिकारी ने देश में उत्पाद की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण घरेलू बिक्री और समस्त स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में किया है । इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में देखी जा सकती है ।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
मांग					
घरेलू उद्योग	मी.ट.	518	611	616	614
अन्य भारतीय उत्पादक	मी.ट.	132	193	209	260
संबद्ध देशों से संबद्ध आयात	मी.ट.	265	441	520	430
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	99	201	168	203
मांग/खपत	मी.ट.	1,013	1,447	1,513	1,508
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	143	149	149

प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति एवं वृद्धि प्रदर्शित हुई है । आधार वर्ष की तुलना में विचाराधीन उत्पाद की मांग में 49% की वृद्धि हुई है ।

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

34. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध (ii) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है..."

35. आयात की मात्रा और बाजार हिस्से से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
चीम जन.गण.	मी.ट.	251	414	494	412
ताईवान	मी.ट.	13	27	26	19
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	265	441	520	430
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	167	196	163
अन्य देश	मी.ट.	99	201	163	203
कुल आयात	मी.ट.	364	642	683	633
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	177	189	174
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	518	611	618	614
●ओ ई एम खंड		****	****	****	****
●बाजार पश्चात खंड		****	****	****	****
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	132	193	209	260
मांग/खपत	मी.ट.	1014	1447	1513	1508
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	143	149	149
उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	45	67	75	62
मांग में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देशों से आयात	%	26.10	30.48	34.34	28.55
अन्य देश	%	9.78	13.92	11.13	13.46
कुल आयात		35.88	44.39	45.47	42.01
घरेलू उद्योग	%	51.10	42.23	40.72	40.72
●ओ ई एम खंड	%	****	****	****	****
●बाजार पश्चात खंड	%	****	****	****	****

अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	13.02	13.37	13.81	17.27
समग्र घरेलू उत्पादक	%	64.12	55.61	54.53	57.99
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

36. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि :

- (क) क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।
- (ख) आयातों में यह वृद्धि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद हुई है ।
- (ग) तीसरे देशों से भी आयातों की सूचना दी गई है । घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि ये सभी पाटनरोधी शुल्क से बचने के उद्देश्य से चीन की सामग्री का यानांतरण थे । घरेलू उद्योग ने आगे यह दावा किया है कि ऐसे देशों से भी आयातों की सूचना दी गई है जिनका शुल्क अथवा नगण्य उत्पादन था ।
- (घ) यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से सूचित भारत औसत आयात कीमत की निर्यात कीमत से काफी अधिक है । इसे स्पष्ट किया जाना चाहिए क्योंकि उत्पाद पर शुल्क का बँचमार स्वरूप लागू है ।
- (ङ) संबद्ध देशों से हुए आयात का हिस्सा काफी अधिक रहा है । वस्तुतः इसमें मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आगे और वृद्धि हुई है ।
- (च) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग के हिस्से में भारी गिरावट आई है ।
- (छ) बाजार पश्चात खंड में घरेलू उद्योग के हिस्से में और अधिक गिरावट आई है । घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि आयातों की सूचना केवल बाजार पश्चात खंड में दी गई है ।

कीमत प्रभाव

37. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में नियमावली के अनुबंध (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

"जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

38. वर्तमान मामले में निम्नलिखित तालिका से यह नोट किया जाता है कि :

लागू पाटनरोधी शुल्क के बिना

क्र. सं.	विवरण	इकाई	चीन	ताईवान	कुल
1	आयात मात्रा	मी.ट.	411.81	18.67	430.48
2	निर्धारणीय मूल्य	लाख रु.	1,292.55	60.71	1,353.26
3	निर्धारणीय कीमत	रु./किग्रा.	313.87	325.10	314.36
4	सी आई एफ निर्यात कीमत	रु./किग्रा.	310.77	321.88	311.25
5	सी शु (दर)	%	10.00%	10.00%	10.00%
6	सी.शु	रु./किग्रा.	31.39	32.51	31.44
7	आयातों की पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	342.15	354.39	342.68
8	औसत निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	****	****	****
9	कुल कीमत कटौती	रु./किग्रा.	****	****	****
10	कुल कीमत कटौती	%	42-47	40--45	42-47

After including prevailing anti dumping duties

क्र. सं.	विवरण	इकाई	चीन	ताईवान	कुल
1	आयात मात्रा	मी.ट.	411.81	18.67	430.48
2	निर्धारणीय मूल्य	लाख रु	1,292.55	60.71	1,353.26
3	निर्धारणीय कीमत	रु./किग्रा.	313.87	325.10	314.36
4	सी आई एफ निर्यात कीमत	रु./किग्रा.	310.77	321.88	311.25
5	सी शु (दर)	%	10.00%	10.00%	10.00%
6	सी.शु	रु./किग्रा.	31.39	32.51	31.44
7	पाटनरोधी शुल्क के बाद आयातों की पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	342.15	354.39	342.68
10	पाटनरोधी शुल्क के बाद आयातों की पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	367.30	348.52	366.48
11	औसत निवल निर्यात कीमत	रु./किग्रा.	****	****	****
12	कुल बिक्री कीमत कटौती (रु./किग्रा.	****	****	****
13	कुल बिक्री कीमत कटौती	%	35-40	38-43	35-40

- (क) संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत से कम थी जिसके परिणामस्वरूप कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है
- (ख) दोनों ही स्थितियों - पाटनरोधी शुल्क को शामिल करते हुए तथा पाटनरोधी शुल्क को शामिल न करते हुए, में कीमत कटौती सकारात्मक है।
- (ग) घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद के आयात पूर्णतः बाजार पश्चात खंड में होते हैं। अतः कीमत कटौती का जांच बाजार पश्चात खंड तथा ओ ई एम बाजार खंड में पृथक् रूप से आयातों की पहुंच कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर विचार करने के बाद अतिरिक्त रूप से की गई है। यह पाया गया था कि यद्यपि, लागू पाटनरोधी शुल्क तथा सीमाशुल्क को जोड़ने के बाद कीमत कटौती बाजार पश्चात खंड में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही थी तथापि, यह अंतर काफी कम था। इसके अलावा, ओ ई एम खंड में कीमत अंतर काफी अधिक रहा था।
- (घ) यह भी नोट किया जाता है कि बाजार पश्चात खंड में घरेलू उद्योग की कीमतें पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद आयातों की पहुंच कीमत की बेंचमार्क है। आयातों की पहुंच कीमत की तुलना बाजार पश्चात खंड में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ करने के बाद इसकी पुष्टि होती है।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

39. नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

उत्पादन, बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग

40. आधार वर्ष और जांच अवधि के बीच घरेलू उद्योग के वास्तविक उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है-

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
1	बिक्री मूल्य					

2	घरेलू	मी.ट.	517.67	611.43	615.85	614.49
3	● बाजार पश्चात	मी.ट.	****	****	****	****
4	● ओईएम	मी.ट.	****	****	****	****
5	आवद्ध	मी.ट.	-	-	-	-
6	निर्यात	मी.ट.	106.78	104.39	108.18	80.38
7	कुल बिक्री	मी.ट.	624.45	715.82	724.03	674.87
8	क्षमता (प्रयोजित क्षमता)	मी.ट.	652.80	739.20	739.20	739.20
9	उत्पादन	मी.ट.	582.91	658.25	695.97	697.00

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के समग्र उत्पादन, बिक्री तथा परिणामी क्षमता उपयोग में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। यद्यपि खासकर वर्ष 2005-06 में वृद्धि प्रदर्शित होने के बाद वर्ष 2006-07 से उत्पादन स्थिर रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2005-06 के दौरान वृद्धि होने के बाद बाजार पश्चात बिक्री में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि आयात केवल इस खंड में हो रहे हैं। समूची क्षति अवधि में ओ ई एम खंड की बिक्री में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि ओ ई एम में हुए पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को कोई ज्ञात प्रतिस्पर्धा नहीं मिल रही है। अतः बिक्री और उत्पादन में वृद्धि पाटित आयातों से प्रतिस्पर्धा के अभाव में हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि ऐसा विश्व बाजार में चीनी तथा ताईवानी प्रतिस्पर्धा तथा मंदी के कारण हुआ है। तथापि, चूंकि घरेलू उद्योग ने निर्यात हेतु उत्पादन अलग रखा है इसलिए क्षति निर्धारण में निर्यात बाजार में उत्पादन पर विचार नहीं किया गया है। यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2007-08 तक घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में सुधार हुआ परंतु जांच अवधि के दौरान स्थिर हो गया।

बाजार हिस्सा

42. भारत में मांग में घरेलू उद्योग, अन्य घरेलू उत्पादकों तथा संबद्ध देशों के निर्यातकों का बाजार हिस्सा निम्नानुसार था:

क्र. सं.	मांग में बाजार हिस्सा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
1	संबद्ध देशों से आयात	%	26.10	30.48	34.34	28.55

2	अन्य देशों से आयात	%	9.78	13.92	11.13	13.46
3	कुल आयात		35.88	44.39	45.47	42.01
4	घरेलू उद्योग	%	51.10	42.23	40.72	40.72
5	अन्य भारतीय उत्पादक	%	13.02	13.37	13.81	17.27
6	समस्त के रूप में घरेलू उत्पादक		64.12	55.61	54.53	57.99
7	कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान भारत में मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि मांग में हिस्से में यह गिरावट मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयातों की मांग में हुई भारी वृद्धि के कारण आई है। इसके अलावा, बाजार हिस्से में बाजार पश्चात खंड में तेजी से गिरावट आई है जहां आयात किए जा रहे हैं। इस अवधि के दौरान समग्र घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है।

लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

44. निवेश पर आय, कर-पूर्व एवं पश्चात लाभ/हानि तथा नकद लाभ का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:
- ओईएम

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
बिक्री की लागत	रु/किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	91	94	94
बिक्री कीमत	रु/किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	98	99	106
लाभ/(हानि)	रु/किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	126	119	155
लाभ/(हानि)	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	153	147	207

बाजार पश्चात

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
बिक्री की लागत	रु/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	91	94	94
बिक्री कीमत	रु/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	103	92	102
लाभ/(हानि)	रु/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	(100)	(57)	(100)	(71)
लाभ/(हानि)	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	(100)	(66)	(116)	(77)

संयुक्त रूप से (सभी घरेलू बिक्री)

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
बिक्री की लागत	रु/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	91	94	94
बिक्री कीमत	रु/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	101	97	107
लाभ/(हानि)	रु/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	(100)	66	(56)	113
लाभ/(हानि)	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	(100)	77	(66)	134
ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	(100)	567	41	851
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	(100)	392	16	546
निवेश पर आय	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	(100)	432	25	486

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को बाजार पश्चात खंड में अत्यधिक वित्तीय घाटा हो रहा है। यह वित्तीय घाटा मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद हो रहा है। तथापि, घरेलू उद्योग ओ ई एम खंड में होने वाली अपनी बिक्रियों में उचित लाभ कमाने में सक्षम है। इस लाभप्रदता से घरेलू उद्योग को बाजार में बने रहने में मदद मिली है और उसकी समग्र लाभप्रदता में सुधार हुआ है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान लाभ कमाया है तथापि इसने समीक्षा जांच की अधिकांश क्षति अवधि में घाटा उठाया है।

मालसूची

46. घरेलू उद्योग के पास तथ्यार उत्पादों के औसत स्टॉक में गिरावट आई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
औसत	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100.00	84.90	58.98	57.18

इस मापदंड से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता नहीं चलता है।

रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता

47. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर में पर्याप्त गिरावट आई है। इस अवधि में लाभप्रदता में सुधार हुआ है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है। इस अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त मजदूरी पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है। इस मापदंड से घरेलू उद्योग को क्षति प्रदर्शित नहीं होती है।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
कर्मचारियों की संख्या	सं	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	99	90	84
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	122	122	124
उत्पादकता	मी.ट./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	114	133	142

वृद्धि

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2006-07 तक घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदंडों में कुछ नकारात्मक वृद्धि हुई थी। तथापि पाटित आयात की मौजूदगी के कारण उसके बाद घरेलू उद्योग की वृद्धि स्थिर हो गई। जहां तक कीमत मापदंडों का संबंध है, बाजार पश्चात खंड में घरेलू उद्योग की वृद्धि प्रतिकूल बनी हुई है जबकि ओ.ई.एम. खंड में यह सकारात्मक है। जांच अधि के दौरान कीमत मापदंडों में समग्र वृद्धि सकारात्मक थी। यद्यपि, अधिकांश क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को घाटा होता रहा।

वृद्धि	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
उत्पादन किग्रा. में	%	-	12.92	5.73	0.15
घरेलू बिक्री किग्रा. में	%	-	18.11	0.72	(0.22)
क्षमता उपयोग	%	-	(0.27)	5.73	0.15
बिक्री की लागत रु./किग्रा.	%	-	(8.91)	3.49	0.03
बिक्री कीमत रु./किग्रा.	%	-	0.78	(4.08)	10.82
लाभ/हानि रु./किग्रा.	%	-	165.57	(184.72)	303.5

पाटन मार्जिन

49. पूर्ववर्ती जांचों में निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है। वर्तमान समीक्षा जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन से संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भारी पाटन जारी रखने का पता चलता है।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता संबद्ध देशों से अत्यधिक पाटित आयातों के मद्देनजर आगे निवेश करने की योजना बनाने में असमर्थ हैं। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क आगे जारी रखा जाए और शुल्क के स्वरूप में संशोधन किया जाए ताकि घरेलू उद्योग क्षमताओं में आगे विस्तार कर सके।

क्षति मार्जिन का स्तर

50. इस समीक्षा जांच में क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

विवरण	इकाई	चीन	ताइवान
क्षति रहित कीमत	रु/किग्रा.	****	****
पहुंच कीमत	रु/किग्रा.	****	****
क्षति मार्जिन	रु/किग्रा.	****	****
क्षति मार्जिन (%)	%	****	****
क्षति मार्जिन (%)	रेंज	30-34	28-32

पाटन तथा क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

52. वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है और निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। वर्तमान मामले में सतत पाटित आयात हुए हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या शुल्क की समाप्ति से उत्पाद का सतत पाटन होने की संभावना है। संबद्ध देशों के निर्यातकों तथा उत्पादकों द्वारा पिछले कई वर्षों से भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया जा रहा है। वर्तमान पाटन मार्जिन काफी अधिक है। पूर्व में की गई जांच में भी पाटन मार्जिन अधिक था। यद्यपि घरेलू उद्योग के कुछेक क्षति मापदंडों में जांच अवधि के दौरान सुधार हुआ है, तथापि घरेलू उद्योग की समग्र स्थिति नाजुक बनी हुई है। ऐसी स्थिति में इस बात पर विश्वास करने का कारण है कि शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन एवं परिणामी क्षति में वृद्धि हो सकती है। निम्नलिखित कारकों से यह पता चलता है कि इस चरण पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन एवं परिणामी क्षति जारी रह सकती है अथवा उसका स्तर खतरनाक हो सकता है।

(क) अन्य देशों को निर्यात

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा तीसरे देशों में पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा में निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने अपने तर्क की पुष्टि इस तथ्य से की है कि तुर्की ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है। यह अनुरोध किया गया है कि तुर्की द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहेगा अथवा उसमें वृद्धि होगी।

(ख) चीन के उत्पादकों के पास बेशी क्षमताएं

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा सृजित क्षमताएं काफी अधिक हैं। आगे यह कहा गया है कि ऐसे उत्पादकों द्वारा तीसरे देशों के बाजारों को किए जा रहे निर्यातों की भारी मात्रा से यह स्पष्ट हो जाता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में भारत में आयात की मात्रा में भारी वृद्धि होगी। चीन जन.गण. तथा चीनी ताइपेई में चुनिंदा सूचना से संबद्ध देशों में अत्यधिक क्षमताओं की मौजूदगी का पता चलता है।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	स्थान/देश	वार्षिक क्षमता	
			लाख मीटर	किग्रा.
1	लिहुआ टैक्सटाइल यूनिशन लि.	गुआंगडोंग, चीन जन.गण.	600	480,000
2	चिको टैक्सटाइल एंड कंपनी	चीनी ताईपेई	3,000	2,400,000
3	पाहोओ ग्रुप	चीनी ताईपेई	879	702,874
4	झोंगशान चोकुआंग टैक्सटाइल कं. लि.	चीन जन.गण.	546	436,800
5	जेझियांग होंगमिंग वीविंग रिबन कं. लि.	चीन जन.गण.	5,000	4,000,000
6	डोंगगुआन पाइहो टैक्सटाइल लि.	डोंगगुआन, चीन जन.गण.	3,726	2,980,454
7	पाइहो ग्रुप	शंघाई, चीन जन.गण.	3,763	3,010,560
Total			17,513	14,010,688

संबद्ध देशों में क्षमता की तुलना में भारत में कम मांग के कारण घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देशों के पाटन की वजह से भारतीय उत्पादक पूर्णतः समाप्त हो सकते हैं।

(ग) पूर्ववर्ती पाटन के समय स्थिति और वर्तमान पाटन मार्जिन का स्तर

मूल जांच के समय विद्यमान परिस्थितियां अभी भी मौजूद हैं यद्यपि, वर्तमान मामले में पाटन मार्जिन में गिरावट आई है। तथापि, यह अभी भी काफी अधिक है।

मूल जांच के समय विद्यमान परिस्थितियां अभी भी मौजूद हैं। यद्यपि, वर्तमान मामले में पाटन मार्जिन में गिरावट आई है। तथापि, यह अभी भी काफी अधिक है।

पाटन मार्जिन	मूल जांच	वर्तमान जांच
चीन जन.गण.	355	40-45
चीनी ताईपेई	298	25-27

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि पूर्ववर्ती जांच के समय जो परिस्थितियां मौजूद थीं वे वर्तमान अवधि में भी काफी हद तक विद्यमान हैं।

कारणात्मक संबंध

53. पाटनरोधी नियमानुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारकों की जांच करना अपेक्षित है जिनसे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति की वजह पाटित आयातों को न माना जा सके। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा तथा कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा निर्यात निष्पादन एवं घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। इस बात की जांच की गई थी कि क्या नियमों में सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। ये मापदंड निम्नानुसार हैं:

(क) तीसरे देशों से आयात

प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देशों से उत्पाद के आयात भी पर्याप्त हैं । 3 प्रतिशत से अधिक अलग-अलग हिस्सा रखने वाले प्रत्येक तीसरे देश से हुए आयातों की विस्तृत जांच की गई थी । घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि ऐसे कुछेक देशों से आयात की सूचना दी गई है यहां इन देशों में शून्य/अल्प उत्पादन क्षमताएं हैं । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह तात्पर्य निकाला जा सकता है कि अधिकांश संबद्ध वस्तु संबद्ध देशों से आई है और तीसरे देशों से हो रहे अधिकांश अन्य आयात मात्र यानांतरण हैं जैसा कि घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है ।

(ख) विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों का व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा अपनाया गया कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं पाया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार मौजूद नहीं है ।

(ग) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

संबद्ध वस्तु की मांग में कोई कमी नहीं आई है । खपत की पद्धति में परिवर्तन के बारे में हितबद्ध पक्षकारों ने कोई तर्क नहीं दिया है और न ही यह प्रतीत होता है कि खपत की पद्धति में परिवर्तनों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

(घ) निर्यात निष्पादन

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति, जहां तक सूचना से अलग पता चलता है, घरेलू प्रचालनों के कारण हुई है । प्राधिकारी ने घरेलू बिक्री से संबंधित आंकड़ों पर भरोसा किया है और उनकी अलग से जांच की है ।

(ङ) प्रौद्योगिकी विकास

उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । अतः प्रौद्योगिकी विकास क्षति का कारक नहीं है ।

(च) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा विक्रीत अन्य उत्पादों का निष्पादन:

प्राधिकारी ने केवल विचाराधीन उत्पाद के बारे में घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है ।

54. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अन्य सूचीबद्ध ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है ।
55. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के अर्थ के भीतर संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- ठ. पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना
56. वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है और निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है । किसी निर्णायक समीक्षा जांच में पाटन मार्जिन की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने वही कार्य प्रणाली तथा प्रक्रिया लागू की है जैसा कि मूल जांच में लागू की गई

थी। इस प्रकार जांच अवधि के लिए पाटन मार्जिन की गणना की गई है और इससे जांच अवधि के दौरान सतत पाटन का पता चलता है और मार्जिन पर्याप्त माना गया है। जहां तक इस निर्धारण का संबंध है कि क्या शुल्क की समाप्ति से संबद्ध वस्तु का सतत पाटन होने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान पाटन मार्जिन काफी अधिक है। यह भी नोट किया जाता है कि पूर्व में की गई जांच में भी पाटन मार्जिन अधिक था। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि भारत में संबद्ध वस्तु का अभी भी भारी मात्रा में निर्यात किया जा रहा है और संबद्ध देशों के निर्यातकों ने पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भी सतत पाटन किया है। यह दावा किया गया है कि वर्तमान स्थिति से स्पष्टतः यह पता चलता है कि (क) पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहेगा; (ख) एक बार पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने पर मात्रा में आगे और वृद्धि होगी। इस मामले की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि समीक्षा जांच अवधि में पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु अत्यंत उच्च है। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि मूल जांच के समय विद्यमान परिस्थितियां वर्तमान समीक्षा अवधि में भी काफी हद तक विद्यमान हैं।

57. जहां तक क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने अथवा उसकी अवधि आगे और पांच वर्ष तक न बढ़ाए जाने की स्थिति में पाटन एवं परिणामी क्षति और व्यापक स्तर पर होगी। उपर्युक्त क्षति मापदंडों की जांच से यह नोट किया गया है कि यद्यपि घरेलू उद्योग ने कुछ मापदंडों में सकारात्मक वृद्धि हासिल की है तथापि, ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति जारी है और उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। इसके अलावा, लागू पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति जारी रहने की संभावना है।

ड. निष्कर्ष

58. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा वर्तमान पाटन तथा परिणामी क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक तथा न्यूनतम निर्धारित सीमा से ज्यादा है। संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर भारत को निर्यात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद जारी है।
- ii. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति जारी है। इसके अलावा, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने और उसमें बढ़ोत्तरी होने की संभावना है।
- iii. पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाना और उसमें संशोधन करना अपेक्षित है।

ड. सिफारिशें

59. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि संबद्ध वस्तु का निर्यात पाटित कीमतों पर जारी है, वर्तमान पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन से लागू पाटनरोधी शुल्क में संशोधन की जरूरत की पुष्टि होती है। आगे यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है तथा शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध क्षेत्र से पाटन तथा आयातों के कारण परिणामी क्षति जारी रहने की संभावना है। अतः प्राधिकारी का मत यह है कि इस उपाय में विस्तार करना अपेक्षित है और निम्नलिखित शुल्क तालिका में विनिर्दिष्ट किए गए अनुसार संबद्ध देशों से हुए आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की अवधि में विस्तार तथा उसकी मात्रा में संशोधन अपेक्षित है।

60. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार केन्द्र सरकार द्वारा इन संस्तुतियों को स्वीकार किए जाने की स्थिति में संबद्ध क्षेत्र के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में विनिर्दिष्ट राशि के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रसं	शीर्ष	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
-1	-2	3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	5806	पायल जीव वाला नैरो यूवन फैब्रिक, मानव निर्मित फाइबर की निर्मितिया (जिसे हुक एंड लूप टेप फास्टनर्स अथवा वेलक्रो टेप्स अथवा फास्टनिंग टेप के नाम से भी जाना जाता है)	कोई	कोई देश	चीनी ताइपेई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1.75	किग्रा.	अम.डॉ.
2	5806	-वही-	कोई	चीनी ताइपेई	कोई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1.75	किग्रा.	अम.डॉ.
3	5806	-वही-	कोई	कोई देश	चीन जन.गण.	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	2.87	किग्रा.	अम.डॉ.
4	5806	-वही-	कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	2.87	किग्रा.	अम.डॉ.

61. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लागू शुल्क को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल हैं;

62. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION****New Delhi, the 19th August, 2010****Final Findings****(Sunset Review)**

Subject : Sunset Review Investigation of Anti-dumping duty imposed on imports of Narrow Woven Fabrics originating in or exported from China PR and Chinese Taipei.

No.15/9/2009-DGAD.—Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, initiated the original investigation vide Notification No. 14/24/2003-DGAD dated 9th June, 2004. The Authority issued its Preliminary findings recommending imposition of provisional Anti Dumping Duty on the imports of Narrow Woven fabrics (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Chinese Taipei (hereinafter referred as subject countries), vide Notification No. 14/24/2003-DGAD dated 10th January, 2005 and such definitive duty was imposed by the Government of India vide Customs Notification No. 08/2005 dated 14th February, 2005. The Authority issued its final findings recommending imposition of definitive Anti Dumping Duty, vide Notification No. 14/24/2003-DGAD dated 7th June, 2005 and such definitive duty was imposed by the Government of India vide Customs Notification No. 76/2005 dated 25th July, 2005.

B. BACKGROUND

2. And whereas, in view of the order of the Hon'ble Delhi High court in the matter of Indian Metal and Ferro Alloys Ltd V/s Designated Authority, Writ Petition (Civil) No. 16893 of 2006 and in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of AD Rules, the Authority issued a public notice No. 15/9/2009-DGAD dated 20th August 2009-DGAD, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the sunset review investigation to review the need for continued imposition of duties in force and

to examine whether the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

C. PROCEDURE

3. In this proceeding, the procedure described herein-below has been followed:

- i). The Embassies/Representatives of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- ii). The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April, 2008 to 31st March, 2009 (POI). However, injury analysis covers the periods April, 2005 – March, 2006, April, 2006 – March, 2007, April, 2007 – March, 2008 and the POI.
- iii). A copy of initiation notification along with exporters' questionnaires were sent to the following known exporters from subject countries in accordance with the rule 6(4) to elicit relevant information:

Tri Hook No 575 Ho Kang Road, Ho Mein Town, Chang Hua Shein Taiwan	Taiwan Special Tape Company No. 58 Kung His 1 st Road, Shen Kang Hsiang, Changhua Hsien Taiwan ROC
Lovetex Industrial Corporation, 7F, No. 36 Nanking E. Road, Sec 2, Taiwan.	Taiwan Joca Corp 12F-8, 16, Sec 1, Chang An Road, Taipei 104 Taiwan
Chico Textile Industries Co Ltd. 5/F NO 25, Tzu Chiang St, Tu Cheng City, Taipaei Hsien, Taiwan	Nam Liong Enterprise Co. Ltd. 10, Lane 41, Chou-Wei-Street, Yen-Chou Li, Yung Kang City, Tainan Hsien, Taiwan.
Taiwan Jianxin Weaving Company Ltd Donghaian, Industrial Area Shenhu Jinjiang Fujian China	

None of the above-mentioned exporters/producers or other producers/exporters from subject countries have filed any response to the questionnaire in response to the above notification.

- iv) Initiation notification and importers questionnaire were sent to the following known importers/consumers of the subject goods in India calling for the necessary information in accordance with Rule 6(4).

Ambattur Clothing Ltd 86/E, Industrial Estate, Ambattur Madras, Tamil Nadu.	Autoliv Ibb India Ltd 16, Visveswaralah Industrial Estate, 1st Main Road, Off White Field Road Madras, Tamil Nadu.
Hindutch Overseas Ltd New No 6, Kumaraswamy Nagar Villivakkam, Chennai, Tamil Nadu.	Jai Expo 5, O.P. Raman Street, Avadi, Chennai, Tamil Nadu.
S M Apparels Pvt Ltd D/91- Industrial Estate, Marai Malai Nagar, Chennai Tamil Nadu	Sun & Ski Exports Pvt Ltd Factory No 104/2a, Tavarekere? Main Road, Madras, Tamil Nadu
Apar Global A-212, Karampura, New Delhi.	Jawahar Lal Phool Chand 603 Sadar Bazar, Delhi.
Bhavan Garments Ltd No 122, C & D, Poonamallee High Road, Velappan Chavadi Chennai, Tamil Nadu	Shridi Exports B-128, Mayapur Industrial Area, Phase 1, New Delhi – 110064.
Continental Pens Bommasandra Industrial Area, Plot No.251, Ariekal Taluk, Bangalore, Karnataka	S R S Suits 360/64 Kalbadevi Road, Opp Ramwadi, Post Basement, Bombay 400 002.
Giria Enterprises Pvt Ltd 6201/2 Block-1, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.	International Textiles 224/1, East Of Kailash, New Delhi 110 065
Balu Expo New No. 285 (Old No.172) Subadhana Building, Mth ? Road, Avadi, Chennai, Tamil Nadu.	D. G. Enterprises 204, 3rd Floor, Vikas Surya Plaza, Community Centre, Road No. 44, Pritampura, New Delhi.
Paramount Garments Exports Pvt Ltd No. 1, D.R.R. Avenue, Audco, Nagarkattupakkam, Chennai.	Parma International 9, Printing Press Area Wazirpur (Behind Punjabi Kesari). Delhi.
Fashion Creations. R-25, Nath Shopping Centre, Aruna	Shiv Shakti Impex, Pul Prahadpur,

Park, Shakarpur, New Delhi.	New Delhi – 110044.
Country Craft 12a/27, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi 10005.	Gagan International Associates E-73, Naraina Vihar, New Delhi.
Shikhar Enterprises, A-44, 9th Cross Street, Brindaban, Pondichery.	Niyaz Apparels 73 Balaji Nagar Padi Chennai Tamil Nadu
Dewanchand & Co. Plot No. 291, Phase V, IV Udyog Nagar, Gurgaon, Haryana.	Rajdhani Sales Corporation, Jhandewalan Road, Nabi Karim, New Delhi.

None of the interested parties has filed any questionnaire response.

v) The Authority called transaction wise data from DGCI&S for the injury period. The domestic industry argued that all imports have not been captured in the classification meant for the product under consideration. The Authority therefore called relevant information from DGCI&S in respect of other customs classification as well. Imports of the product under consideration reported in different customs classification have been adopted.

vi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file maintained by the authority and kept open for inspection by the interested parties.

vii) M/s Sky Industries Ltd, Mumbai responded to the notice of initiation and requested the Authority to conduct sunset review investigation and recommend extension of anti-dumping duty. The company also requested for enhancement in the quantum of anti-dumping duty, after modification of the same in terms of fixed quantum of duty. Since M/s Sky Industries Ltd, has requested for the extension of anti- dumping duty, the Authority has treated the company as the "petitioner" in the present case.

viii) M/s Sky Industries Ltd, Mumbai, claimed itself as the domestic industry and submitted the injury information/data. The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if the anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

ix) In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 11th May, 2010. The parties, who presented their views in the public hearing, were advised to file written submissions of the views expressed orally. The written submissions received from the interested parties have been considered in this finding.

x) The Authority has considered all the views expressed and submissions made by various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.

xi) In accordance with the Rule 16 of the AD Rules, the essential facts considered by the Authority were disclosed to the known interested parties. The comments received on the disclosure statement have been duly considered in these findings.

xii) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever necessary, parties who have provided the information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xiii) Whenever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

xiv) *** in this notification represents the information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the authority under the Rules

D. Submissions of interested parties in response to the Disclosure Statement.

4. Following the issuance of disclosure statement, none of the interested parties except the domestic industry has submitted their comments to the disclosure statement. It is noted that the domestic industry has reiterated most of the their earlier submissions in the comments to the disclosure statement. Additionally, the domestic industry has requested the Authority to specify that that the product should be reported only in one unit of measurement and one customs classification to ensure that the anti dumping duty is not avoided by using multiple customs classifications and units of measurements. They have also requested the Authority to specify the meaning of origin so that the goods are not reported from countries who are not even producing the goods. . They have requested the Authority to impose the duty on fixed amount basis only with currency in US\$. In the end, they have requested the Authority to extend the duties for further period of 5 years. The Authority may kindly specify the meaning of origin so that the goods are not reported from countries who are not even producing the goods. A copy of the comments made by the domestic industry is enclosed at "A" for kind perusal.

5. It is noted that submissions made by the domestic industry has already been addressed at appropriate places. The anti dumping duties are proposed to be imposed in US\$ and on a fixed basis.

E. Product under Consideration and Like Article

E.1. Submissions made by M/s Sky Industries Ltd, Mumbai.

6. M/s Sky Industries Ltd, Mumbai has made the following submissions:

- i. Since, the present review investigation is a sunset review investigation; the scope of the product under consideration remains the same as has been defined in the previous investigation.
- ii. There is no material change or development in the product characteristics between the original investigation and the product is being produced and sold world-over at present.
- iii. The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product.
- iv. The issue of product under consideration and like article was examined in detail by the Designated Authority in the original investigation and is required to be confirmed.

E.2. Views of the Importers, consumers, exporters and other interested parties

7. One of the importers raised the argument that the particular type of Narrow Woven Fabrics, which is used in safety seat belts are not manufactured in India at present and therefore should be excluded from the scope of the product under consideration

E.3. Examination by the Authority

8. The product under consideration in the original investigation as also in the present investigation is Narrow Woven Fabrics (also referred to as subject goods). The product was defined in the original investigation as follows:

"The Product under consideration in the present investigations is "narrow woven fabric having pile weave, made up of man made fibers, used as a fastening tape" (henceforth also referred to as subject goods). In market parlance, the subject goods are known by various synonyms such as "Hook & Loop Tape Fasteners", "Velcro Tapes", "Fastening Tapes", "Fasteners" etc. The distinguishing feature of the product is "pile weave". The subject goods are described in terms of Peel Strength, Shear Strength and Light Fastness. Hook and Loop fasteners are generally made from man made fibers (yarns) nylon (Nylon 6 and Nylon 6,6), polyester etc. The product under consideration is produced in sizes typically varying between 12mm to 125mm of width. Further, while the product is sold in

the market place in terms of length of the product (measured in meters) and the associated costs and prices of various product types vary with width, the same becomes almost homogenous when converted into weight. The major uses of the subject goods are in industries such as garment industries, surgical & orthopedic apparatus manufacturing, shoes & footwear manufacturing, luggage/bags manufacturing, toys, automobile upholstery and various other industrial segments. Narrow Woven fabric is classified under customs Sub heading 580610 of the Customs Tariff Act 1975. After the provisional findings, M/s Country Craft, importer, asked the Authority to clarify whether the investigation has been performed only on hook and look tape, whereas the notification mentions the entire chapter. The Authority confirms that Anti dumping investigations have been conducted with regard to the product under consideration only as mentioned above (also referred to as subject goods) and as stated in the initiation notification, as well as in the preliminary findings, and the customs classification is indicative in nature and is in no way binding on the scope of the investigation.."

9. In view of the above determination, no argument has been raised by any interested party with regard to scope of the product under consideration; thereby the Authority confirms the scope of the product under consideration as considered above and as has been stated herein.
10. Narrow Woven Fabrics manufactured in the subject countries and exported to Indian market and subject goods manufactured by the domestic industry have essentially the same product characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. Authority hereby confirms that the product under consideration produced by the domestic industry is like article to the goods being imported from the subject countries in accordance with the anti dumping rules.
11. With respect to the argument raised by the importer that the Narrow Woven fabrics used in safety belts are not covered under Product under consideration, it is clarified that the scope of the product under consideration does not include all kinds of narrow woven fabrics. In fact, as stated in the para 5 above, Narrow woven fabrics with pile weave and used for fastening applications are within the scope of the product under consideration.

F. Standing and scope of the Domestic Industry

F.1. Submissions made by M/s Sky Industries Ltd, Mumbai

12. In the present investigation, M/s Sky Industries Ltd, Mumbai has provided information as domestic industry. Production by M/s Sky Industries Ltd. constitutes more than 50% of the domestic production of the like article in India

and therefore, Sky Industries constitutes domestic industry within the meaning of the anti-dumping rules

F.2. Submissions made by the importers, consumers, exporters and other interested parties

13. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or made any submission with regard to the claim of Sky Industries' claim of domestic industry.

F.3. Examination by the Authority

14. At the time of the initiation of this investigation, Rule 2(b) of the AD Rules read as follows:-

"(b) 'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry".

However, post initiation, this Rule has been amended as follows:

"(b) 'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only".

15. There are seven producers of domestic like products in India, listed below

- a) M/s Sky Industries Ltd., Mumbai, who has filed the application upon initiation of investigation;
- b) M/s. Magic Fasteners Pvt. Ltd., Delhi,
- c) M/s Siddharth Filament Pvt. Ltd- Surat,
- d) M/s Gajanand Elastic & Works, Ahmedabad,
- e) M/s Ishy Industries- Palghar,
- f) M/s Jhanji Textiles- Jalandar,
- g) M/s Shiv-Ha Industries.

M/s Sky Industries Ltd. had responded to the notice of initiation with a petition in the form and manner prescribed, requesting that the Authority undertakes sunset review of the existing anti dumping duties and recommend extension of the same for a further period of five years. The company further requested for modification

in the form of duty and enhancement in the quantum of anti dumping duty. M/s. Magic Fasteners Pvt. Ltd., Delhi, M/s Siddharth Filament Pvt. Ltd- Surat, M/s Gajanand Elastic & Works, Ahmedabad, M/s Ishy Industries- Palghar, and M/s Shiv-Ha Industries have supported the request for extension of anti dumping duties for a further period of five years. These companies have however no provided detailed information with regard to injury.

Based on information on record, the Authority has determined share of M/s Sky Industries in gross Indian production. It is determined that share of Sky Industries constitutes more than 50% of the Indian production of like article in India.

Name of the company	Production during POI(MT)	Share in Indian production
M/s Sky Industries Ltd., Mumbai	697	70.89
M/s. Magic Fasteners Pvt. Ltd., Delhi,	****	****
M/s Siddharth Filament Pvt. Ltd- Surat,	****	****
M/s Gajanand Elastic & Works, Ahmedabad,	****	****
M/s Ishy Industries- Palghar,	****	****
M/s Jhanji Textiles- Jalandar,	****	****
M/s Shiv-Ha Industries	****	****

Having regard to the information on record and definition of domestic industry under the Rules and the fact that production of M/s Sky Industries constitutes more than 50% of the Indian production of like article in India, the Authority holds that M/s Sky Industries constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

G. Dumping Determination

Normal Value

G.1. Submissions made by the Domestic Industry

16. The submissions made by the domestic industry are as follows: -

- a. China PR should be treated as a non-market economy in the light of previous investigations carried out by the Authority. The same view has been adopted by the authorities in other countries as well.
- b. There are 15 conditions prescribed under the Rules each one of which an intending exporter has to satisfy in order to claim market economy treatment and the information and evidence relevant and necessary to establishment of such a claim. Petitioner has claimed China as non-market economy. Petitioner submits that unless the responding Chinese exporters satisfy all such 15

conditions, the Designated Authority is required to determine normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.

- c. The burden is on the exporter/producer claiming the market economy status to prove that it operates under market economy conditions.
- d. India is an appropriate surrogate country for Chinese producers. Not only consideration of India as a surrogate country would result in access to accurate and adequate information, there is no factual basis to consider that India would not be a proper surrogate country. India has been considered as an appropriate surrogate country by other Investigating Authorities too.
- e. The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit.
- f. The goods are being exported from the subject countries at dumped prices and the same is established by the estimates of normal value and export price. The dumping margin is significantly high.
- g. None of the exporters from the Taiwan has cooperated and responded to the investigation initiation notification issued by the Authority and submitted any information. All possible efforts have been made by the petitioner to seek the relevant information from the public domain regarding domestic selling price of the subject goods in Taiwan. But, in absence of relevant credible data in the public domain, the petitioner could not get any authentic and reliable information in this regard. In view of the same, petitioner has determined normal value in Taiwan considering constructed normal value approach.

G.2. Submissions made by the Exporters/Importers/Other interested parties

- 17. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to the export price, normal value and determination of dumping margin

G.3. Examination by the Authority

- 18. Under section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

6.4 Normal Value in China PR

19. The Authority sent questionnaire to the known exporters from China PR, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, no response has been received to the questionnaires from any of the Chinese producer/exporter.

Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that :

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

20. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO

Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporter in terms of the AD Rules.

21. As per the Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:-
- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment and compensation of debts;
 - c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
22. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; none of the Chinese producers/exporters has submitted any response including the market economy questionnaire response and sought to rebut the non-market economy presumption. China is a non-market economy. The Authority has treated China as non-market economy earlier as well unless the responding exporters satisfy conditions prescribed under the Rules. Since none of the exporters from China PR responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed, the Authority has determined the Normal Value in respect of China PR under para 7 of Annexure I of Anti-dumping Rules, considering China PR as non-market economy. Under the Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
- (a) the price in a market economy third country,
 - (b) constructed value in a market economy third country,
 - (c) the price from such a third country to other country, including India.
 - (d) the price actually paid or payable in India, adjusted to include a reasonable profit margin.

23. The Authority notes that the petitioner has not been able to provide normal value on the basis of price in a market economy third country, or constructed value in a market economy third country. The Petitioner claimed that neither the prices of the subject goods in any market economy third country are publicly available nor the information with regard to the price from market economy third countries to other countries. Even though there are imports of the subject goods from third countries, the domestic industry claimed that these were actually transshipment of Chinese product. The Authority notes that the price from market economy third countries to India can be adopted only if such prices are above estimates of cost of production. Under the above-mentioned circumstances and in view of non-cooperation from the concerned exporters from China PR and since no other information having been made available by the interested parties, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of price paid or payable in India, duly adjusted, to include profit margin. The normal value accordingly has been determined considering cost of production in India, duly adjusted to include selling, general & administrative expenses and reasonable profit. For this purpose, Authority has considered international prices of major raw materials, consumption factors of domestic industry and conversion cost of domestic industry.

G5. Normal Value in Chinese Taipei

24. None of the exporters/producers in Taiwan have submitted any information as required under the exporter's questionnaire. The domestic industry provided an evidence in the form of an email communication showing prices of the product under consideration in the domestic market in Taiwan. In the absence of any cooperation from the Taiwanese producer, the Authority has relied upon this evidence as the domestic price of the product under consideration in Taiwan and has determined normal value accordingly. Further, the Authority determined normal value additionally on the basis of estimates of cost of production in Taiwan, including selling, general & administrative expenses and reasonable profit. It was found that such normal value was higher than their domestic selling price as evidenced in e-mail communication as stated above. Therefore, the Authority has relied upon the domestic selling price as evidenced in e-mail communication as the conservative estimate of normal value in the absence of cooperation from Taiwanese producers.

H.4. Export Price

25. None of the exporters from China PR and Chinese Taipei have responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. None of the other interested parties (except domestic industry) have provided any other information that can be used for determination of export price. In the absence of information in the prescribed format from foreign producers, the Authority has determined export price on the basis of weighted average import price of the product under consideration in India. The weighted average import price has been

determined after detailed examination of the bill of entry-wise import data provided by the DGCI&S. The Authority called information from DGCI&S in respect of imports falling under customs classification no. 5801, 5804, 5805, 5806, 5807, 5808 and identified imports of the product under consideration. Imports in such identified transactions only have been considered for determination of volume, value and average import price of the product under consideration. The export price has been determined on the basis of weighted average import price of all these imports. Separate export price has been determined for Chinese Taipei and China PR.

26. The following adjustments have been made to arrive at the net ex-factory export price in the absence of any questionnaire response from the foreign producers and on the basis of best available information.

- (a) Ocean freight @ US\$ 60 per MT
- (b) Insurance @ 0.5% of CIF
- (c) Port expenses @ 0.5% of FOB
- (d) Inland freight @ 0.5% of FOB
- (e) Bank commission @ 0.05% of FOB

I. Dumping Margin

27. On the basis of normal values and net export prices determined as explained above at ex-factory level, the dumping margin during POI for all exporters are as per table below:

Particulars	Units	China PR	Chinese Taipei
Normal Value	US\$/KG	****	****
Export Price	US\$/KG	****	****
Dumping Margin	US\$/KG	****	****
Dumping Margin	%	40-45	25-27

J. Injury and Causal Link Determination:

J.1 Submissions made by the domestic industry:

28. The submissions made by the domestic industry with regard to injury and causal link are summarized below:

- a) Imports from subject countries have increased substantially. The increase in imports are inspite of existing anti-dumping duty;

- b) Imports are undercutting the prices of the domestic industry to a significant extent. The price undercutting is in spite of low prices already kept by the domestic industry;
- c) The prices of the domestic industry are quite comparable to the landed price of imports after addition for anti-dumping duty. This clearly establishes that the domestic industry is fixing its selling price based on landed price of imports after addition for anti dumping duty;
- d) Imports are resulting in price underselling;
- e) The selling price of the domestic industry is significantly different in the OEM and after-market segment. The price in the after-market segment is reflective of the import prices whereas the prices in the OEM are unaffected by dumping;
- f) Performance of the domestic industry has got impacted in respect of production, capacity utilization, sales volumes, and market share because of dumped imports.
- g) Performance of the domestic industry continues to be adverse in terms of profits, return on investments, cash flow. The domestic industry is suffering significant financial losses in respect of sales in the aftermarket, negative return on investments and cash flow.
- h) Growth of the domestic industry continues to suffer due to presence of dumped imports and inspite of significant demand in the market.

J.2 Submissions made by the Exporters/Importers/Other interested parties

29. Neither any response has been filed by any producer/exporter from China PR and Chinese Taipei nor any argument has been advanced on any aspect of the present investigations, including injury & causal link.

J.3 Examination of the Authority

30. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like product; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

31. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

32. The Authority has taken note of the arguments on injury examination and addressed the issues raised at appropriate places. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties. For the purpose of current injury analysis the Authority has examined the volume and prices effects of imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between dumping and injury, if any. In this case, it has been noted that the subject goods has been sold at two distinct market segments i.e OEM (original equipment manufacturer or wholesale and after market (also known as retail level). It is recalled that in the original investigations also, these two market segments existed. As was done in original investigations, the injury determinations have been done taking into account both the market segments. The segment wise analysis has been done as it was claimed that the domestic industry is significantly injured on account of dumped imports of subject goods which are entering into aftermarket segment. However, the combined effect or impact of injury on both the segments together in the final findings as was done in original investigations was taken into account.. For this purpose, the injury margin and price undercutting has been determined by taking into account weighted average Non Injurious price and weighted average selling price for both market segments together.

Assessment of Demand

33. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Demand					
Domestic Industry	MT	518	611	616	614
Other Indian Producers	MT	132	193	209	260
Subject imports from subject countries	MT	265	441	520	430

Other countries imports	MT	99	201	168	203
Demand/consumption	MT	1,013	1,447	1,513	1,508
Trend	Index	100	143	149	149

The Authority notes that the demand of the product in the country has shown a positive trend and growth over the injury period. The demand for the product under consideration has increased by 49% as compared to the base year.

Import Volume & market share

34. With regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure- (ii) of the Anti-dumping rules provides as under: -

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India"

35. The information regarding the imports volume and market share is given in the following table:

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
China PR	MT	251	414	494	412
Taiwan	MT	13	27	26	19
Imports from subject countries	MT	265	441	520	430
Trend	Index	100	167	196	163
Other countries	MT	99	201	168	203
Total imports	MT	364	642	688	633
Trend	Index	100	177	189	174
Sale of Domestic Industry	MT	518	611	616	614
• OEM segment					
• Aftermarket segment					

Sale of Other Indian Producers	MT	132	193	209	260
Demand/consumption	MT	1014	1447	1513	1508
Trend	Index	100	143	149	149
Imports from subject countries in relation to production	MT	45	67	75	62
Market Share in demand					
Imports from subject countries	%	26.10	30.48	34.34	28.55
Other countries	%	9.78	13.92	11.13	13.46
Total imports		35.88	44.39	45.47	42.01
Domestic industry	%	51.10	42.23	40.72	40.72
• OEM segment	%	****	****	****	****
• Aftermarket segment	%	****	****	****	****
Other Indian Producers	%	13.02	13.37	13.81	17.27
Domestic producers as a whole	%	64.12	55.61	54.53	57.99
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

36. It is noted from the above that

- Imports from subject countries have increased significantly during the injury period.
- The increase in imports is in spite of existing anti dumping duties.
- There are imports reported from third countries as well. The domestic industry has claimed that these were all transshipments of Chinese material aimed at avoiding anti dumping duties. The domestic industry has further claimed that imports have been reported from countries having no or insignificant production.
- It is noted that the weighted average import price reported from subject countries is higher than the export price from these third countries. This might be explained as the product is attracting benchmark form of duty.
- The share of imports from subject countries remained very significant. In fact, the same has increased further in spite of existing anti dumping duties.
- The share of domestic industry declined significantly in spite of existing anti dumping duties.

3268GI/10-7

- (g) The share of domestic industry in aftermarket segment declined more significantly. The domestic industry argued that imports have been reported only in aftermarket segment.

Price Effect

37. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which other wise would have occurred to a significant degree."

38. In the present case, it is noted from the table below that :

Without prevailing anti dumping duties

SN	Particulars	Unit	China	Taiwan	Total
1	Import Volume	MT	411.81	18.67	430.48
2	Assessable Value	Rs.Lacs	1,292.55	60.71	1,353.26
3	Assessable Price	Rs./KG	313.87	325.10	314.36
4	CIF export price	Rs./KG	310.77	321.88	311.25
5	Customs Duty (Rate)	%	10.00%	10.00%	10.00%
6	Customs Duty	Rs./KG	31.39	32.51	31.44
7	Landed price of imports	Rs./KG	342.15	354.39	342.68
8	Average Net Selling Price	Rs./KG	****	****	****
9	Total Price Undercutting	Rs./KG	****	****	****
10	Total Price Undercutting	%	42-47	40-45	42-47

After including prevailing anti dumping duties

SN	Particulars	Unit	China	Taiwan	Total
1	Import Volume	MT	411.81	18.67	430.48
2	Assessable Value	Rs.Lacs	1,292.55	60.71	1,353.26
3	Assessable Price	Rs./KG	313.87	325.10	314.36
4	CIF export price	Rs./KG	310.77	321.88	311.25
5	Customs Duty (Rate)	%	10.00%	10.00%	10.00%
6	Customs Duty	Rs./KG	31.39	32.51	31.44
7	Landed price of imports before	Rs./KG	342.15	354.39	342.68

	ADD				
10	Landed price of imports after ADD	Rs./KG	367.30	348.52	366.48
11	Average Net Selling Price	Rs./KG	****	****	****
12	Total Price Undercutting(Rs./KG	****	****	****
13	Total Price Undercutting	%	35-40	38-43	35-40

It is noted from the above table that:

- (a) The landed price of imports of the subject goods was below than the domestic selling price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.
- (b) The price undercutting is positive in both the situations – inclusive of anti dumping duty and excluding anti dumping duty.
- (c) The domestic industry has argued that the imports of the product under consideration are entirely in the aftermarket segment. Therefore, the price undercutting was examined additionally by considering the landed price of imports and selling price of the domestic industry separately in the after market segment and OEM market segment. It was found that the even though the price undercutting after adding prevailing customs duties and anti dumping duties were lower than the selling price of the domestic industry in the aftermarket segment, the extent of the difference was much lower. Further, the extent of price difference was very significant in the OEM segment.
- (d) It is also noted that the domestic industry prices in the aftermarket are benchmarked to the landed price of imports after adding anti dumping duties. This is established by the comparison of landed price of imports with selling price of the domestic industry in the aftermarket segment.

Economic Parameters relating to the Domestic Industry

39. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of the imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

Production, sales, capacity and capacity utilization

40 Actual production, capacity and capacity utilization of the domestic industry increased between the base year and the period of investigation as shown in the following table-

Sl. No.	Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
1	Sales volume					
2	Domestic	MT	517.67	611.43	615.85	614.49
3	• After Market	MT	****	****	****	****
4	• OEM	MT	****	****	****	****
5	Captive	MT	-	-	-	-
6	Exports	MT	106.78	104.39	108.18	60.38
7	Total Sales	MT	624.45	715.82	724.03	674.87
8	Capacity (effective capacity)	MT	652.80	739.20	739.20	739.20
9	Production	MT	582.91	658.25	695.97	697.00

41 The Authority notes that overall production, sales and consequently capacity utilization of the domestic industry has shown an increase in the POI as compared to the base year though the production has stagnated from 2006-07 onwards, particularly after showing increase in 2005-06. It is also noted that the sales for aftermarket has declined after increasing during 2006-07. The domestic industry has claimed that imports are occurring only in this segment. The sales for OEM segment increased throughout the injury period. The Domestic industry has claimed that there is no known competition to the domestic industry from dumped imports in the OEM. This increase in sales and production is therefore in the absence of competition from dumped imports. It is also noted that export volumes of the domestic industry declined during the POI. The domestic industry has claimed that this is due to Chinese and Taiwanese competition in the global market and recession. However, since the domestic industry has segregated production for exports, the production in the export market has not been considered in the injury assessment. It is noted that the capacity utilization of the domestic industry improved till 2007-08 but has stagnated during the POI.

Market share

42 The Share of the domestic industry, other domestic producers and exporters from subject countries in demand in India was as under:

SN	Market Share in demand	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
1	Imports from subject countries	%	26.10	30.48	34.34	28.55
2	Imports from other countries	%	9.78	13.92	11.13	13.46
3	Total imports		35.88	44.39	45.47	42.01
4	Domestic industry	%	51.10	42.23	40.72	40.72
5	Other Indian Producers	%	13.02	13.37	13.81	17.27
6	Domestic producers as a whole		64.12	55.61	54.53	57.99
7	Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

43. The Authority notes that the share of the domestic industry in demand in India declined over the injury period. In this regard, the petitioner has submitted that this decrease in the share in demand is due to the significant increase in the volume of imports that is in spite of the existing anti-dumping duty. Further, the market share declined steeply in aftermarket segment where the imports are being made. Market share of domestic producers as a whole has declined significantly over the period.

Profit/loss, return on investment and cash flow

44. The return on investment, profit/loss before and after interest and cash profit is shown in the table below:

OEM

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Cost of sales	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	91	94	94
Selling price	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	98	99	106
Profit/(Loss)	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	126	119	155
Profit/(Loss)	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	153	147	207

After Market

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Cost of sales	Rs/kg	100	91	95	94
Trend	Index	100	91	95	94
Selling price	Rs/kg	100	103	107	107
Trend	Index	100	103	107	107
Profit/(Loss)	Rs/kg	0	12	12	13
Trend	Index	(100)	(67)	(67)	(77)
Profit/(Loss)	Rs. Lacs	0	12	12	13
Trend	Index	(100)	(66)	(67)	(77)

Combined (All domestic sales)

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Cost of sales	Rs/kg	100	91	95	94
Trend	Index	100	91	95	94
Selling price	Rs/kg	100	101	107	107
Trend	Index	100	101	107	107
Profit/(Loss)	Rs/kg	0	10	12	13
Trend	Index	(100)	66	120	113
Profit/(Loss)	Rs. Lacs	0	10	12	13
Trend	Index	(100)	77	120	134
Profit before Interest and Tax	Rs. Lacs	0	10	12	13
Trend	Index	(100)	667	120	354
Cash Profit	Rs. Lacs	0	10	12	13
Trend	Index	(100)	352	120	546
Return on Investment	%	0	10	12	13
Trend	Index	(100)	432	120	408

45. The Authority notes that the domestic industry is suffering significant financial losses in the aftermarket segment. These financial losses are in spite of the existing anti-dumping duty. However, the domestic industry is able to earn reasonable profits in its sales in the OEM segment. This profitability helped the domestic industry to survive in the market and its overall profitability improved. Further, it is noted that though the domestic industry has earned profit during the period, it has incurred losses during much of the period of the anti-dumping duty.

Inventories

46. Average stock of finished products in the domestic inventory has shown a declining trend, as shown below.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Average	MT	100	91	95	94

<i>Trend</i>	Index	100.00	84.90	58.98	57.18
--------------	-------	--------	-------	-------	-------

This parameter does not show injury to the domestic industry.

Employment, wages and productivity

47. Employment levels of the domestic industry have shown a significant decline during the POI as compared to the base year. Productivity has improved over the period, as given in the following table. Wages paid by the domestic industry have shown a significant increase over the period. This parameter does not show injury to the domestic industry.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
No of Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Index	100	99	90	84
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	122	122	124
Productivity	MT/Nos.	***	***	***	***
Trend	Index	100	114	133	142

Growth

48. The Authority notes that the domestic industry had some positive growth in volume parameters upto 2006-07. However, the domestic industry's growth has stagnated thereafter due to presence of dumped import. In respect of price parameters, the growth of the domestic industry continues to be adverse in the after market segment, whereas the same is positive in respect of OEM segment. The overall growth in price parameters was positive during the POI though during most of the injury period, the domestic industry continued to be in losses.

Growth	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Production in Kg	%	-	12.92	5.73	0.15
Domestic Sales in Kg	%	-	18.11	0.72	(0.22)
Capacity Utilization	%	-	(0.27)	5.73	0.15
Cost of Sales Rs/Kg	%	-	(8.91)	3.49	0.03
Selling Price Rs/Kg	%	-	0.78	(4.08)	10.82
Profit /Loss Rs/Kg	%	-	165.57	(184.72)	303.5

Dumping margin

49. The dumping margin determined in the previous investigation was quite significant. The dumping margin determined in the present review investigation shows continued significant dumping by the producers/exporters of the subject countries.

Ability to raise capital investments

50. The Authority notes that the petitioner is unable to plan any further investments in view of the significant dumped imports from the subject countries. The domestic industry has submitted that the anti-dumping duty on the subject goods may be continued further and form of duty may be modified; so that the domestic industry is able to expand capacities further.

Level of Injury margin

51. The injury margin in this review investigation has been determined as follows:

Particular	Units	China	Taiwan
Non injurious price	Rs/Kg	****	****
Landed Price	Rs/Kg	****	****
Injury Margin	Rs/Kg	****	****
Injury Margin (%)	%	****	****
Injury Margin (%)	Range	30-34	28-32

3.4 Likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury

52. The present investigation is a review investigation and the Designated Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. There are continued dumped imports in the present case. The Designated Authority examined whether revocation of duty is likely to lead to continued dumping of the product. The exporters and producers from the subject countries are exporting subject goods to India for the past several years. The current dumping margin is very significant. In the previously concluded investigation also dumping margin was significant. Though some of the injury parameters of the domestic industry have improved during the POI, the overall condition of the domestic industry remains fragile. In such a situation, there is reason to believe that the dumping and consequent injury may intensify with the revocation of duty. Following are the factors, which reflect that the dumping and consequent injury might continue or even occur at aggravated level in the event anti-dumping duty ceases at this stage.

(a) Exports to other countries

The Domestic industry has argued that the exporters from the subject countries are exporting the subject goods in the third countries in significant volumes at dumped prices. They have substantiated their argument from the fact that Turkey has imposed anti-dumping duty on the subject goods from the subject countries.

It has been submitted that imposition of anti-dumping duty by Turkey will lead to continued or intensified dumping in the case the current anti dumping duties ceases.

(b) Surplus capacities with Chinese producers

The domestic industry has argued that the capacities created by producers in the subject countries are significantly high. It has been added that huge volume of exports being made by such producers to third country markets makes it evident that the volume of imports into India would increase significantly in the event of revocation of ADD. Information provided by the domestic industry based on select few producers in China PR and Chinese Taipei shows existence of significant capacities in the subject countries.

Sl. No	Name of Company	Place/Country	Annual Capacity	
			Lac mtrs	kgs
1	Lihua Textile Union Ltd	Guangdong, China PR	600	480,000
2	Chico Textile Ind Co	Chinese Taipei	3,000	2,400,000
3	Paiho Group	Chinese Taipei	879	702,874
4	Zhongshan Chukuang Textile Co., Ltd.	China PR	546	436,800
5	Zhejiang Hongming Weaving Ribbon Co Ltd	China PR	5,000	4,000,000
6	Dongguan Paiho Textile Ltd	Donnguan , China PR	3,726	2,980,454
7	Paiho Group	Shanghai, China PR	3,763	3,010,560
Total			17,513	14,010,688

Given the low demand in India as compared to capacity in the subject countries, the domestic industry has argued that the Indian Producers can be completely wiped out by the subject countries' dumping.

(c) Situation at the time of previous dumping and level of current dumping margin

The circumstances existed at the time of original investigation are still in existence. Even though dumping margins have declined in the present case, the same are still quite significant.

Dumping margin	Original Investigation	Present Investigation
China PR	355	40-45
Chinese Taipei	298	25-27

The domestic industry has argued that the circumstances which were prevalent at the time of earlier investigations are very much in existence even in the present period.

K. CAUSAL LINK

53. As per the AD Rules, the Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry. These parameters are as follows:

(a) Imports from third countries

The Authority notes that the imports of the product from other countries are also significant. The imports from each of the third countries having individual share in excess of 3% were examined in detail. The domestic industry has argued that imports have been reported from some of the countries where these countries have no/little production capacities. In view of the above, it could be inferred that most of the subject goods have come from the subject countries and much of the other imports coming from 3rd countries could be merely transshipments as has been alleged by the domestic industry.

(b) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

The Authority has not found any trade restrictive practice followed by the domestic industry and other Indian producers. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no restrictive trade restrictive practices in the domestic market.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

There is no contraction in demand of the subject product. There is no argument by the interested parties regarding the change in the pattern of consumption, nor does it appear that changes in the pattern of consumption could have inflicted the injury to the domestic industry.

(d) Export performance

The Authority notes that claimed injury to the domestic industry is on account of domestic operations to the extent information could be separately identified. The Authority has relied upon the data with respect to domestic sales and has examined the same separately.

(e) Developments in technology

The technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

(f) Performance of other products being produced and sold by the domestic industry:

The Authority has examined injury to the domestic industry with regards to product under consideration only.

54. The Authority thus concludes that other listed known factors have not caused injury to the domestic industry.
55. Thus, the Authority concludes that the dumped imports originating in or exported from the subject territory have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 read along with Annexure II of the AD Rules.

L. Likelihood of recurrence of dumping and injury

56. The present investigation is a sunset review investigation and the Designated Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. To examine the margin of dumping in a sunset review investigation, the Authority applied the same methodology and the procedure as were applied in the original investigations. The dumping margin is thus recalculated for the POI and it shows continuation of dumping during the POI and the margin is considered significant. With regards

to determination whether revocation of duty is likely to lead to continued dumping of subject goods and consequent injury to the domestic industry, it is noted that the current dumping margins are very significant. It is also noted that in the previously concluded investigation also dumping margins were significant. Further, it is noted that the subject goods are still being exported to India in significant volumes and exporters from subject countries have continued dumping even after the imposition of anti-dumping duties. It has been claimed that the present situation is clearly suggestive that (a) the dumping would continue in the event of revocation of anti dumping duty; (b) the volumes would further increase, once the present anti dumping duties are revoked. The matter has been examined and it is noted that dumping margins are not only more than de-minimis but also significantly high during the review POI. It is, thus, noted that the circumstances, which were prevalent at the time of original investigations, are very much in existence even in the present review period.

57. With regards to likelihood of recurrence of injury, it has been examined whether the dumping and consequent injury would re occur rather at aggravated level in the event that anti-dumping duties are revoked or not extended for the next five years. It has been noted from the examination of above injury parameters that though the domestic industry has achieved positive growth in some of the parameters, the domestic industry continues to suffer material injury due to such dumped imports and the situation of the domestic industry remains fragile.. Further, dumping of the subject goods from the subject countries and consequent injury to the domestic industry is likely to continue, if the anti-dumping duties in force cease to operate.

M. CONCLUSIONS

58. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation of dumping and injury, the Authority concludes that:
- i. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margin of the subject goods imported from subject countries are significant and above the de-minimis limits prescribed. The subject goods continue to be exported to India at dumped prices in spite of existing anti dumping duties.
 - ii. The domestic industry continues to suffer material injury in spite of the existing anti dumping duties. Further, it is noted that in the event that the present anti dumping duties are revoked, injury to the domestic is would likely to continue and intensify.
 - iii. The anti-dumping duty is required to be extended and modified.

N. RECOMMENDATIONS

59. Having concluded that the subject goods continues to be exported at dumped prices, the current dumping margin and injury margin establishes the need for revision in the anti-dumping duty in force. It is further noted that the situation of the domestic industry continues to be vulnerable and there is likelihood of continuation of dumping and consequent injury on account of imports from subject territory, if the duties are revoked. Thus, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended and the quantum of Anti-dumping duty is required to be modified in respect of imports from subject countries as specified in the duty table below.

60. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty as per amount specified in Col 9 of the table below is recommended to be imposed in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject territory.

S. No	Heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
-1	-2	3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	5806	Narrow woven fabrics having pile weave, made up of manmade fibres (also known as hook and loop tape fasteners or Velcro tapes or fastening tape)	Any	Any country	Chinese Taipei	Any Producer	Any Exporter	1.75	kg	US Dollars
2	5806	—do—	Any	Chinese Taipei	Any	Any Producer	Any Exporter	1.75	kg	US Dollars
3	5806	—do—	Any	Any Country	China PR	Any Producer	Any Exporter	2.87	kg	US Dollars
4	5806	—do—	Any	China PR	Any	Any Producer	Any Exporter	2.87	kg	US Dollars

-
- 61 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
62. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority